पवित्रता का पर्व है राखी**
आत्मा के शुद्ध होने की है **
यह संगम पर परमात्मा के**
संग प्रेम के बंधन की निशानी**
ब्राह्मणों को बाँधी जाती है राखी**
पावन बनने की प्रतिज्ञा करती**
हर आत्मा देकर विकारो की आहुति**
भारत को पावन बनाने की**
करनी होती इसमें कुर्बानी**
योग की शक्ति से बनती**
सतयुग की नयी राजधानी**
हर आत्मा का दीप है जगता**
होती हर घर में रोज़ दिवाली**
संगम पर प्रभु आगमन की**
संग अमरलोक ले जाने की **
है यादगार की सुंदर कहानी**
त्रिवेणी का मेला है लगता**
ज्ञान गंगाए बन ज्ञान सागर से**
बादल बन पुण्य सब पर बरसाती**
पतित पावन शिव पिता की यह**
है सदगति देने की निर्मल कहानी**
आत्मा परमात्मा के मिलन से**
होती ज्ञान योग बल की इसमें प्राप्ति**
राखी बड़ी अनमोल है यह**

स्वर्ग लोक में जाने की है निशानी**
प्रभु करते हम पर 21 जन्म**
कुर्बान होने की बहुत महरबानी**

,,ॐ शांति**